सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 223 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 19 सितम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

नहीं चला भारत का शीर्षक्रम

यदि आप एक कंपनी बनाने का प्रयास कर रहे हैं, तो ये एक केक बनाने की तरह है। आपको सभी सामग्री सही मात्रा में डालनी होगी।

-इलोन मस्क

सस्ते में... 7 | आतिशी पारी दिल्ली में पड़ेगी सब... 3 | यूपी में अपराधियों के हौसले... 2

बिहार में दलितों के घरों में आग से भड़की सियासत

» विपक्ष के निशाने पर आई नीतीश सरकार

» कांग्रेस, राजद ने भाजपा व जदयू पर किया करारा प्रहार

» मुख्यमंत्री ने दिये जांच के आदेश

» तेजस्वी ने पीएम मोदी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एकबार फिर कानून व्यवस्था को लेकर सत्ता पक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार शुरू हो गया है। दरअसल, नवादा में कथित तौर पर भूमि विवाद को लेकर दबंगों द्वारा कई घरों में आग लगाए जाने को लेकर राजनीति तेज हो गई है। इस घटना में दबंगों ने 80 घरों को जला दिया है। ये सारे घर दलितों के हैं। इसको लेकर कांग्रेस, राजद ने नीतीश सरकार को घेर लिया है।

उधर सीएम ने घटना के लिए जांच के आदेश दिए है। कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के महादलित टोले में करीब 80 घरों में आग लगाने की बात सामने आई है जिसके बाद तमाम विपक्षी दल ने एनडीए और नीतीश सरकार पर हमला करना शुरू कर दिया है। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, बीएसपी की मायावती समेत कई नेताओं ने एक सुर में आवाज उठाई है, प्रियंका गांधी ने राज्य सरकार से मांग की है कि ऐसा अन्याय करने वाले दबंगों पर सख्त कार्रवाई हो और सभी पीड़ितों का समुचित पुनर्वास किया जाए। तेजस्वी यादव ने एक्स पोस्ट पर लिखा कि आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी, बिहार में आपकी डबल इंजन पॉवर्ड सरकार में दलितों के घर जला दिए गए है। उन्होंने कहा कि यह भारत देश की ही घटना है। कृपया इस मंगलराज पर दो शब्द तो कह दिजीए कि यह सब प्रभु की मर्जी से हो रहा है इसपर एनडीए के बड़बोले शक्तिशाली नेताओं का कोई वश नहीं है। यह भी बता दिजीए कि बिहार में तीसरे नंबर की पार्टी के मुख्यमंत्री ने महीनों से बोलना बंद कर रखा है। वो ना मीडिया से बात करते है और ना ही पब्लिक से?

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : नीतीश

नीतीश कुमार ने बिहार के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर को नवादा जाकर घटनास्थल का निरीक्षण करने का आदेश दिया है। घटना पर सीएम नीतीश कुमार ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक भी की। बैठक में उन्होंने कहा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी, किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की जांच के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक तथ्यान्वेषी दल भी मौके पर भेजा गया था। सत्तारूढ़ जद (यू) के प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि दलितों को डरना नहीं चाहिए, विपक्ष ने बिहार सरकार पर उनकी रक्षा करने में सक्षम नहीं होने का आरोप लगाया।

“यह बहुत गलत है। बिहार में कोई कानून-व्यवस्था नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नीतीश कुमार (बिहार के सीएम) विफल हो गए हैं।

लालू प्रसाद यादव, राजद प्रमुख

“दबंगों द्वारा गरीब दलितों के काफी घरों को जलाकर राख करके उनका जीवन उजाड़ देने की घटना अति-दुखद व गंभीर, सरकार दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने के साथ ही पीड़ितों की पूरी आर्थिक मदद करे।

मायावती, बसपा सुप्रीमो

बहुजनों के विरुद्ध अन्याय की डरावनी तस्वीर उजागर : राहुल

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "नवादा में महादलितों का पूरा टोला जला देना, 80 से ज्यादा परिवारों के घरों को नष्ट कर देना बिहार में 'बहुजनों' के विरुद्ध अन्याय की डरावनी तस्वीर उजागर कर रहा है।" अपना घर-संपत्ति खो चुके इन दलित परिवारों की चीत्कार और भयंकर गोलीबारी की गूंज से वंचित समाज में मचा आतंक भी बिहार की सोई हुई सरकार को जगाने में कामयाब नहीं हो पाए। लोस में नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया, "भाजपा और राजग के सहयोगी दलों के नेतृत्व में ऐसे अराजक तत्व शरण पाते हैं, जो भारत के 'बहुजनों' को डराते हैं, दबाते हैं ताकि वो अपने सामाजिक और संवैधानिक अधिकार भी न मांग पाएं। पीएम का मौन इस बड़े षड़यंत्र पर स्वीकृति की मुहर है।

“घटना बेहद खौफनाक और निंदनीय है, दर्जनों राउंड फायरिंग करते हुए इतने बड़े पैमाने पर आतंक मचाकर लोगों को बेघर कर देना यह दिखाता है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

प्रियंका गांधी, कांग्रेस महासचिव

“महादलित टोला पर दबंगों का आतंक एनडीए की डबल इंजन सरकार के जंगलराज का एक और प्रमाण है। बेहद निंदनीय है रात के अंधेरे में गरीब परिवारों का सब कुछ छीन लिया गया।

मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

आतिशी 21 सितंबर को लेंगी मुख्यमंत्री पद की शपथ

» एक हफ्ते में साबित करना होगा बहुमत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप नेता आतिशी 21 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगी। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सरकार के गठन के प्रस्ताव के साथ अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा मंजूरी के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेज दिया है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ही सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू हो पाएगी।

आतिशी के साथ उनकी कैबिनेट भी शपथ ले सकती शपथ लेने के बाद नई सरकार 26 व 27 सितंबर को बुलाए गए दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में विश्वास मत हासिल करेगी। तकनीकी रूप से मुख्यमंत्री के इस्तीफा देने पर पूरा मंत्रिमंडल भंग माना जाता है। इस वजह से आतिशी के साथ नए मंत्रिमंडल के शपथ लेने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल में कम से कम दो नए चेहरे दिख सकते हैं, जबकि अन्य सभी केजरीवाल सरकार के चेहरे ही रहेंगे। आतिशी या केजरीवाल ने अपनी ओर से शपथग्रहण की कोई तिथि नहीं सुझाई थी। राजनिवास के सूत्रों ने बताया कि उपराज्यपाल ने 21 सितंबर की तारीख तय की है।

विपक्ष के मजबूत होते ही सरकार पर दिखा दबाव

संसदीय समितियों का गठन शुरू

थरूर होंगे विदेश संबंधी संसदीय समिति के अध्यक्ष

» दिग्विजय को मिली शिक्षा से जुड़ी समिति की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इसबार विपक्ष के मजबूत होने का असर सरकार पर दिखने लगा है। पिछले कार्यकालों में मनमानी करने वाली भाजपा सरकार इसबार विपक्ष को पूरी तरह से अपने विश्वास में लेने का प्रयास कर रही है। इसी के चलते सरकार ने संसद की स्थाई समितियों का गठन कर दिया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर विदेश मामलों से संबंधित संसद की स्थायी समिति की अध्यक्षता करेंगे, वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह शिक्षा विभाग से जुड़ी समिति का नेतृत्व संभालेंगे।

विभागों से संबंधित कुल 24 स्थायी समितियां

संसद में विभागो से संबंधित कुल 24 स्थायी समितियां है। लोकसभा के तहत 16 और राज्यसभा के तहत आठ स्थायी समिति होती हैं। इनमें से प्रत्येक समिति में 31 सदस्य होते हैं। लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य होते हैं, जिन्हें संबंधित दलों की अनुशंसा पर लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति द्वारा नामित किया जाता है। इन समितियों का कार्यकाल एक वर्ष का होता है।

दरअसल, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने गत दिनों कहा था कि स्थायी समितियों के गठन में कोई देरी नहीं हुई है और परंपरा के अनुसार, सितंबर महीने के अंत तक उनका गठन किया जाएगा। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी कृषि संबंधी स्थायी समिति और ओडिशा के कोरापुट से पार्टी सांसद सप्तगिरी उलका ग्रामीण विकास संबंधी समिति की अध्यक्षता करेंगे। नई लोकसभा के गठन के पश्चात सरकार के साथ लंबी मंत्रणा के बाद मुख्य विपक्षी दल को लोकसभा की विदेश, कृषि और ग्रामीण विकास संबंधी तीन स्थायी समितियों की अध्यक्षता मिली है।

यूपी में अपराधियों के हौसले बुलंद : अविनाश

कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

प्रदेश प्रभारी बोले योगी सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कांग्रेस के प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। प्रदेश के 75 जनपदों में अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। लगातार महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ करने के मामले सामने आ रहे हैं। आज उत्तर प्रदेश में रेप की घटनाएं इतनी आम हो गई हैं कि महिलाओं में खौफ पैदा हो गया। लगातार नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ अनर्गल बयान दिए जा रहे हैं।

बीजेपी के द्वारा राजनीतिक सौहार्द को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। हम लोगों ने लखनऊ मंडल के साथियों के साथ विरोध-प्रदर्शन किया है। अगर महिलाओं से संबंधित अपराध में कमी नहीं आई तो उत्तर प्रदेश के सभी 18 मंडलों में प्रदर्शन किया जाएगा। हमारे नेता राहुल गांधी लगातार सदन में महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर लड़ाई लड़ रहे हैं।

जाति और धर्म देखकर सरकार कर रही कार्रवाई : अजय राय

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि ध्वस्त कानून व्यवस्था एवं पुलिस उत्पीड़न के विरोध में कांग्रेस पार्टी प्रदर्शन कर रही है। आज यूपी की कानून व्यवस्था बहुत खराब है। देश में महिलाओं के साथ हो रहे कुल अपराधों का 55 प्रतिशत केवल यूपी का हिस्सा है। बावजूद इसके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कानून का राज स्थापित करने का दावा कर रहें हैं, जबकि हकीकत ये है कि प्रदेश के ज्यादातर अपराधी बीजेपी में हैं। चूंकि, वो लोग उनकी पार्टी का हिस्सा हैं, इसलिए वो बचे हैं। अजय राय ने यह भी कहा कि ये सरकार जाति और धर्म देखकर कार्रवाई कर रही है।

उपचुनाव को लेकर संविधान सम्मेलन करेगी कांग्रेस

लखनऊ आगामी विधानसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने सभी 10 सीटों पर तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी ने सह प्रभारी और सांसदों व विधायकों को अलग-अलग क्षेत्र की जिम्मेदारी दी है। ऐसे में एक बार फिर सपा कांग्रेस गठबंधन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय नेता शीर्ष नेताओं के इशारे के इंतजार में हैं। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि सभी 10 विधानसभा क्षेत्रों में संविधान सम्मान सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा, जिसके माध्यम से इंडिया गठबंधन की सोच को बूथ लेवल कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया जायेगा। बैठक में सभी 10 विधानसभाओं के अंतर्गत होने वाले संविधान सम्मान सम्मेलन की तिथियां भी घोषित की गई।

विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी और सम्मेलन की तिथि घोषित

विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी और सम्मेलन की तिथि घोषित की गई है। मिर्जापुर मझवां का प्रभारी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और पर्यवेक्षक सदल प्रसाद और सम्मेलन 29 सितंबर को होगा। फूलपुर का प्रभारी राजेश तिवारी, पर्यवेक्षक सांसद उज्जवल रमण सिंह और सम्मेलन 30 सितंबर को । मीरपुर का प्रभारी विधायक वीरेंद्र चौधरी और पर्यवेक्षक सांसद इमरान मसूद एवं सम्मेलन 7 अक्तूबर को । सीसामाउ का प्रभारी नीलांशु चतुर्वेदी व पर्यवेक्षक के एल शर्मा और सम्मेलन 8 अक्तूबर को। खैर विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नसीमुद्दीन व पर्यवेक्षक राजकुमार रावत और सम्मेलन 9 को। करहल विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी तौकीर आलम व पर्यवेक्षक रामनाथ सिकरवार सम्मेलन 14 को। कुंदरकी का प्रभारी धीरज गुर्जर एवं पर्यवेक्षक सांसद राकेश राठौर और सम्मेलन 15 को। मिल्कीपुर का प्रभारी पीएल पुनिया पर्यवेक्षक अखिलेश प्रताप सिंह और सम्मेलन 16 को। कटेहरी का प्रभारी सत्यनारायण पटेल व पर्यवेक्षक केशव चंद्र यादव सम्मेलन 17 को। गाजियाबाद का प्रभारी आराधना मिश्रा मोना और पर्यवेक्षक तनुज पुनिया एवं सम्मेलन 19 अक्तूबर को होगा।

पीड़िता की हर संभव मदद करेगी सपा : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख से मिली अयोध्या की गैंगरेप पीड़िता

» बोली- एफआईआर वापस लेने का बनाया जा रहा दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । अयोध्या कैंट थाना क्षेत्र के विभिन्न होटलों में सामूहिक दुष्कर्म का शिकार हुई युवती ने लखनऊ स्थित सपा कार्यालय पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। पीड़िता ने उन्हें आपबीती सुनाई और भाजपा से जुड़े होने के कारण आरोपियों पर ठोस कार्रवाई न होने की जानकारी दी। इस पर उन्होंने पीड़िता को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पीड़िता ने बताया कि उस पर एफआईआर वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है।

रौनाही थाना क्षेत्र के एक इलाके की रहने वाली एक युवती बीए तृतीय वर्ष की छात्रा है। युवती से 16 से 25 अगस्त तक आठ लोगों पर अलग-अलग तिथियों में बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया था। दो सितंबर को कैंट पुलिस ने केस दर्ज करके पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। एक दिन पहले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी पीड़िता से मुलाकात करके हर संभव मदद का आश्वासन दिया था। बुधवार को पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन और एमएलसी लीलावती कुशवाहा के साथ पीड़ित लखनऊ सपा कार्यालय पहुंची और बंद कमरे में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात की। पीड़िता ने उन्हें बताया कि आरोपी भाजपा से जुड़े हैं। कई आरोपियों के परिजन भाजपा की राजनीति करते हैं। उनके दबाव में आरोपियों पर ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है और उसे अपेक्षित न्याय नहीं मिल पा रहा है। पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पीड़िता की हर तरह से मदद का आश्वासन दिया है।

तिरुपति के लड्डू पर आंध्र में सियासी बवाल

सीएम ने लगाया जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल का आरोप

» टीडीपी व वाईएसआर कांग्रेस में ठनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर तिरुपति लड्डू बनाने में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। हालांकि, पार्टी ने इस दावे को खारिज कर दिया है। तिरुपति लड्डू तिरुपति के प्रतिष्ठित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में वितरित किया जाता है, जिसका संचालन तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा किया जाता है।

पार्टी की एक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने दावा किया कि लड्डू घटिया सामग्री से बनाया जाता था। तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में तिरुपति लड्डू चढ़ाया जाता है। मंदिर का संचालन तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) करता है। नायडू ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायक दल की एक बैठक को संबोधित करते हुए दावा किया कि यहां तक कि तिरुमला लड्डू भी घटिया सामग्री से बनाया गया था। उन्होंने घी की जगह पशु चर्बी का इस्तेमाल किया था। मुख्यमंत्री नायडू ने हालांकि कहा कि अब शुद्ध घी का उपयोग किया जा रहा है,जिससे गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

'बीजेपी के इशारे पर वोटकाटू पार्टियां सक्रिय'

» दीपेंद्र हुड्डा बोले- निर्दलीय उम्मीदवारों से मतदाता सावधान रहें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी के कोसली में रोहतक सांसद दीपेंद्र हुड्डा कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मंत्री जगदीश यादव की रैली में लोगों को संबोधित करने के लिए पहुंचे। इस दौरान हुड्डा ने कहा कि बीजेपी के इशारे पर वोट काटू पार्टियां व आजाद उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं, मतदाता सावधान रहें। आजाद या अन्य दलों के प्रत्याशियों का कोई भरोसा नहीं की चुनाव के बाद वे कहां जाएंगे।

बीजेपी ने इनेलो, जेजेपी, हलोपा समेत आजाद उम्मेदवारों से वोट काटू के रूप में समझौता कर लिया है और इन्हें

अपनी बी-टीम बनाकर हरियाणा की जनता को फिर से धोखा देने की साजिश रची है। बीजेपी जनभावना का सौदा करने वाली पार्टी है। हरियाणा में कांग्रेस का मुकाबला बीजेपी से और जेजेपी, इनेलो व आजाद उम्मीदवारों का मुकाबला नोटा से होगा। 10 साल में बीजेपी ने प्रदेश को विकास की पटरी से उतारा, केवल होर्डिंग लगाने से विकास नहीं होता है। आगे कहा कि गत लोकसभा चुनाव में जेजेपी और इनेलो का मुकाबला नोटा से था और ये दोनों पार्टियां नोटा से भी हार गई थी।

पूर्व डिप्टी सीएम का विरोध करने से कबड्डी खिलाड़ी पर जानलेवा हमला

कैथल के गुहला चीका में दो कबड्डी खिलाड़ियों पर देर रात जानलेवा हमला हुआ। यह हमला कथित तौर पर जननायक जनता पार्टी (जजपा) नेता दुष्यंत चौटाला के समर्थकों द्वारा लाठियों और गड़ासियों से किया गया। घटना के बाद घायल कबड्डी खिलाड़ियों को गुहला के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया और गंभीर हालत को देखते हुए उसे कैथल रेफर कर दिया गया है। गौरतलब है कि इस घटना से एक दिन पहले कबड्डी खिलाड़ी ने गांव हरिगढ़ में दुष्यंत चौटाला का जमकर विरोध किया था। चौटाला अपने प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करने वहां पहुंचे थे, जहां यह बहस हुई थी। पुलिस ने युवक की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मैं हर तरह से सीबीआई का सहयोग करूंगी : मिनाक्षी

» जांच एजेंसी के सामने पेश हुई माकपा की युवा नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले की जांच के सिलसिले में माकपा (सीपीएम) युवा नेता मिनाक्षी मुखर्जी आज सीबीआई के सामने पेश हुईं।

मिनाक्षी डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) की राज्य सचिव हैं। डीवाईएफआई सीपीआई(एम) की युवा शाखा है। मिनाक्षी मुखर्जी ने कहा कि वह हर तरह से सीबीआई अधिकारियों का

सहयोग करेंगी।

बता दें कि वह नौ अगस्त को महिला डॉक्टर की हत्या के कुछ घंटों बाद ही मृतक के परिवार से मुलाकात की थीं। सीपीआई(एम) ने बार बार दावा किया कि वामपंथी युवा नेता के प्रयास के कारण अंतिम संस्कार का विरोध किया गया। उसी रात मिनाक्षी मुखर्जी को पुलिसकर्मियों को रोकते हुए देखा गया था।

आतिशी पारी दिल्ली में पड़ेगी सब पर भारी!

केजरीवाल के सियासी दांव ने किया सबको चित

- आप के चक्रव्यूह में फंसी बीजेपी
- विस चुनाव में विपक्ष को बदलनी होगी रणनीति
- कांग्रेस रख रही है सब पर नजर
- दिल्ली भाजपा में बड़े बदलाव के संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सियासी चाल से उनके विरोधी तो पस्त हो ही गए हैं आम मतदाता भी स्तब्ध है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट से राहत के बाद जेल से बाहर आते ही दिल्ली के सीएम ने जहां सीएम पद से इस्तीफ देकर सबको चकित कर दिया वहीं अपनी सबसे भरोसमंद सिपाही व राज्य सरकार में कई अहम मंत्रालयों को संभाल रही मंत्री आतिशी को सीएम के लिए नामित कर एक तीर से कई निशाने साध दिये। उनके इस फैसले से जहां भाजपा इतनी घबरा गई कि उसे अपने संगठन में बदलाव करने की सोचनी पड़ रही है। वहीं कांग्रेस भी इसपर बहुत संभल कर बोल रही है।

हालांकि केजरीवाल के इस फैसले का सपा व कई अन्य पार्टियों ने समर्थन किया है। जबकि बसपा, जदयू ने राजनीतिक पैंतरेबाजी बताई है। पर सियासी जानकारों का कहना है एक महिला को सीएम बनाकर उन्होंने दिल्ली के लगभग एक करोड़ महिलाओं को अपने पाले में करने का प्रयास किया है। उनके इस राजनीतिक प्रयोग से उन्हे कितना लाभ मिलेगा ये तो विधान सभा चुनाव होने के बाद आए परिणामों से ही देखने को मिलेगा। चुनावों में अभी समय है पर आप व भाजपा में अभी से पोस्टरों के जरिये एक-दूसरे पर वार-पलटवार भी शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा और आतिशी को मुख्यमंत्री बनाने के दांव ने सभी को चौका दिया है। परिस्थितियां कमोबेश वैसी ही हैं, जैसी कुछ साल पहले थीं, जब भाजपा ने इसी तरह का पासा फेंका था। 1998 के विधानसभा चुनाव के कुछ महीने पूर्व ही दिवंगत सुषमा स्वराज को भाजपा ने दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाया था। हालांकि उस दौरान प्याज की बढ़ी हुई कीमत की वजह से कांग्रेस की शीला दीक्षित की कमान में भाजपा की सियासी पारी खत्म हो गई और वह वनवास 26 साल बाद भी नहीं खत्म हो पाया है। आम आदमी पार्टी में इस बदलाव के बाद दिल्ली भाजपा में भी बड़े बदलाव के संकेत मिलने लगे हैं। आतिशी के मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा भी महिला ब्रिगेड को आगे बढ़ाने की रणनीति तैयार करेगी क्योंकि महिला मुख्यमंत्री पर विपक्ष का वार उलटा सहानुभूति वाला पड़ सकता है। आप के इस कदम से कांग्रेस और भाजपा के लिए आधी आबादी को साधना आसान नहीं होगा। आम आदमी पार्टी भले ही अरविंद केजरीवाल के नाम पर विधानसभा चुनाव में उतरेगी लेकिन मुखौटा बतौर मुख्यमंत्री आतिशी ही रहेंगी। लिहाजा कयास लगाया जा रहा है कि इस साल का विधानसभा चुनाव भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के चेहरे की जगह किसी महिला नेता को मुख्यमंत्री का चेहरा पेश कर लड़े। रणनीतिकारों की मानें तो दिल्ली में एक बार फिर से पुराना इतिहास दोहराया गया है। 26 साल पहले साहिब सिंह वर्मा के इस्तीफे के बाद सुषमा स्वराज को मुख्यमंत्री बनाया गया था। वहीं अब केजरीवाल के इस्तीफे और आतिशी को मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर है। ऐसे में भाजपा फिलहाल तो वेट एंड वॉच की स्थिति में रहेगी लेकिन जिस तरह की घोषणा आम आदमी पार्टी की सरकार ने महिलाओं के हित के लिए की है मसलन डीटीसी बस में मुफ्त सफर, हर महिला को एक हजार रुपये का वजीफा, ऐसी स्थिति में भाजपा की भी मजबूरी होगी कि महिला ब्रिगेड को आतिशी के खिलाफ उतारे। लोकसभा चुनाव में भी देखा गया कि भाजपा ने सात सीटों में दो सीट महिलाओं को दी। यह प्रयोग सफल भी रहा। बांसुरी स्वराज और कमलजीत सहरावत चुनाव जीतकर संसद पहुंचीं। 1998 से लगातार चुनाव हार रही भाजपा के लिए आगामी विधानसभा चुनाव जीतना केंद्रीय नेतृत्व के लिए भी काफी अहम है।

केजरीवाल की नजर आधी आबादी पर

करीब एक दशक से सियासी पारी खेल रहे अरविंद केजरीवाल ने सधी रणनीति के तहत आतिशी को मुख्यमंत्री बनाकर एक तीर से कई निशाने साधे हैं। कई विधायकों की मांग के बावजूद पत्नी सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री न बनाकर केजरीवाल ने परिवारवाद के आरोपों की धार कुंद की है जबकि केजरीवाल के जेल में रहने के दौरान जब उनकी पत्नी लोकसभा और हरियाणा विधानसभा चुनाव में फंट पर थीं, तब विपक्ष इस तरह के आरोपों से आप को घेरने की कोशिश करता रहा है। वहीं, महिला मुख्यमंत्री देकर केजरीवाल ने आधी आबादी को साधने की कोशिश की है। खासतौर से इसलिए भी कि दिल्ली की दो बड़ी जीतों में माना जाता है कि आप महिलाओं की पसंदीदा पार्टी है। आप ने इसका तोहफा देते हुए बसों में महिलाओं की यात्रा मुफ्त कर दी है। वहीं, आंदोलन के दिनों की साथी को अपना पद सौंपकर कार्यकर्ताओं को भी गहरा संदेश दिया है। इससे उन आरोपों को भी खारिज किया जा सकेगा, जिसमें आप को 'वन मैन आर्मी' वाली पार्टी कहा जाता है। भाजपा के साथ इस तरह के आरोप आप के ऐसे कई संस्थापक सदस्य भी लगाते रहे हैं, जिन्होंने पार्टी छोड़ दी है। उपराज्यपाल के निशाने पर आए केजरीवाल ने इस स्ट्रोक से उन्हें भी साधने की कोशिश की है। केजरीवाल के इस फैसले से अब सीधा महिला मुख्यमंत्री से टकराव होगा। ऐसे में वह यह साबित कर सकेंगे कि एलजी से टकराव न केवल केजरीवाल से है बल्कि उन्हें आम आदमी पार्टी से ही दुराव है। वह नहीं चाहते हैं कि आंदोलन से उभरी पार्टी दिल्ली की सत्ता में रहे। विधानसभा चुनाव के दौरान यह मुद्दा काफी उठेगा।

केजरीवाल की छवि त्याग वाली उभरेगी

आतिशी को मुख्यमंत्री बनाने से अरविंद केजरीवाल की छवि एक त्याग वाली बनकर उभरेगी। विपक्ष बराबर आरोप लगाता रहा है कि कुर्सी के मोह की वजह से भी जेल से ही वह सत्ता चला रहे थे। मुख्यमंत्री का पद वह छोड़ना नहीं चाह रहे थे। जेल से बाहर आते ही सधे हुए राजनीतिज्ञ की तरह उन्होंने यह भी साबित कर दिया कि उन्हें कुर्सी का मोह नहीं है और न ही परिवारवाद को बढ़ावा देने वाला। लिहाजा महिला कार्ड के साथ ही केजरीवाल ने एक तरह से सत्ता के लोभ से ऊपर उठकर आतिशी को कुर्सी सौंपने का निर्णय लिया।

भाजपा विधायक दल को विधानसभा में मिलेगी महिला मुख्यमंत्री से चुनौती

भाजपा के लिए विधानसभा में भी जबरदस्त चुनौती मिलने की उम्मीद है। भाजपा विधायकों में एक भी महिला विधायक नहीं है। ऐसे में एक महिला मुख्यमंत्री को कटघरे में खड़ा करना बेहद मुश्किल होगा। महिला मुख्यमंत्री होने से भाजपा विधायक दल को विधानसभा में सत्र के दौरान दिक्कत हो सकती है। ऐसे में भाजपा को अपनी नीति में बदलाव कर आम आदमी पार्टी को कटघरे में खड़ा करना होगा। आतिशी के मुख्यमंत्री बनने पर अब कांग्रेस अपनी पिछली सरकार के विकास कार्यों को लेकर चुनाव में उतर सकती है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल में जितने भी विकास कार्य हुए, उसे गिनाने का प्रयास करेगी। दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस पार्टी आम आदमी पार्टी को विकास के मुद्दे पर घेरती भी रही है।

आप में पर्दे के पीछे की अहम किरदार रहीं हैं आतिशी

आप की 2015 और 2020 की दोनों सरकारों में आतिशी ने मनीष सिसोदिया के साथ मिलकर दिल्ली में होने वाले शिक्षा सुधारों पर नजदीक से काम किया। इसका जमीन पर असर भी दिख रहा है। वहीं, जेल जाने के बाद जब सिसोदिया ने मंत्रीपद से इस्तीफा दिया तो आतिशी को मार्च 2023 में कैबिनेट में शामिल किया गया। शिक्षा विभाग के साथ उनको लोक निर्माण, बिजली और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण विभाग दिए गए। वह मौजूदा समय में 13 प्रमुख विभागों की देखरेख कर रही थीं और सबसे ज्यादा विभाग आतिशी के पास थे। अब एक बार फिर से आप और उसके संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आतिशी पर भरोसा जताया और इस्तीफा देने के साथ आतिशी को मुख्यमंत्री की अपनी गद्दी सौंप दी है।

केंद्र की भाजपा सरकार पर भी दबाव

केंद्र सरकार के निशाने पर अरविंद केजरीवाल बराबर रहे हैं। केंद्रीय नेतृत्व बराबर उन्हें कटघरे में खड़ा करता रहा है। आतिशी के मुख्यमंत्री बनने पर एक महिला पर आरोप मढ़ना भाजपा के लिए भी आसान नहीं होगा। इस नीति से केजरीवाल यह साबित कर सकेंगे कि केंद्र की भाजपा सरकार आधी आबादी के खिलाफ है। यह संदेश लेकर वह अन्य राज्यों के चुनाव में उतरेंगे।

पहले चुनाव में मिली हार, दूसरे में मिली जीत, बनीं मुख्यमंत्री

आतिशी पहली बार 2019 में चुनावी मैदान में उतरीं। लोकसभा चुनाव में आप ने इनको पूर्वी दिल्ली से प्रत्याशी बनाया था लेकिन भाजपा के गौतम गंभीर से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद दोबारा 2020 में दिल्ली चुनाव में पार्टी ने कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतारा। वह जीतकर विधानसभा पहुंचने में कामयाब रहीं। हालांकि, केजरीवाल की कैबिनेट में उनके साथ दूसरी किसी भी महिला को जगह नहीं मिल सकी थी। यह वह चुनाव था, जब आम आदमी पार्टी को 70 में से 62 विधानसभा सीटों पर जीत मिली थी। इनमें से आठ महिला विधायक थीं लेकिन वक्त के साथ-साथ दिल्ली के राजनीतिक हालात भी बदले और अब वह मुख्यमंत्री बनने जा रही हैं। दिल्ली में आप की दोनों बहुमत की सरकारों में आतिशी ने पहले पर्दे के पीछे रहकर और बीते करीब एक साल से बतौर शिक्षा मंत्री दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्कूलों को सुधारने के लिए उन्होंने शिक्षा विभाग के साथ मिलकर प्लान तैयार किया। दिल्ली के सरकारी स्कूलों को देश के सर्वश्रेष्ठ स्कूल बनाने के लिए शिक्षकों की ट्रेनिंग, अतिरिक्त कमरे सहित दूसरे परियोजना को पूरा करने का काम किया। साल 2022 में आतिशी ने न्यूयॉर्क में यूएनजीए को संबोधित किया। इसमें दिल्ली को शहरी शासन के लिए एक वैश्विक मॉडल के रूप में उजागर किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

थमी नहीं चीन से सैन्य संबंधी समस्याएं!

दरअसल विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याएं 75प्रतिशत तक सुलझ गई हैं, कई लिहाज से अहम हैं। इन बातों का यह मतलब नहीं है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद की उलझी हुई गुत्थी आसान हो गई है। दोनों के स्टैंड में किसी बदलाव का कोई संकेत अभी तक नहीं है।

केंद्र सरकार दावा कर रही है कि भारत के चीन से लगी अंतर्राष्ट्रीय सीमा लगभग 75 प्रतिशत सैन्य सबंधी समस्याएं सुलझ गई हैं। ये चीन द्वारा अभी हाल में अरुणाचल के सीमा रेखाओं पर उसकी घुसपैठ वाली घटनाओं पर सवालिया निशान लगाते हैं। हालांकि अभी कुछ दिनों से सीमा पर शान्ति है पर इसका ततलब यह नहीं सोचना चाहिए कि सब ठीकठाक है। दरअसल विदेश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याएं 75प्रतिशत तक सुलझ गई हैं, कई लिहाज से अहम हैं। इन बातों का यह मतलब नहीं है कि दोनों देशों के बीच सीमा विवाद की उलझी हुई गुत्थी आसान हो गई है। दोनों के स्टैंड में किसी बदलाव का कोई संकेत अभी तक नहीं है। चीन की तरफ से सीमा विवाद को दरकिनार करते हुए संबंध सुधारने के आग्रह पर भारत का रुख आज भी यही है कि सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल हुए बगैर यह संभव नहीं। भारत यह बताने में भी संकोच नहीं कर रहा कि चार साल पहले एलएसी पर चीन द्वारा की गई कार्रवाई दोनों पक्षों के बीच उस समय तक बनी तमाम सहमतियों का उल्लंघन थी और आज तक यह भी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है कि आखिर चीन ने ऐसा क्यों किया।

उधर विपक्ष ने भी समय-समय पर एनडीए सरकार को चेताया है कि चीन सीमा पर अतिक्रमण कर रहा हे उसे गंभीरता से लिया जाए। सामान्य रिश्तों के लिए सीमा पर सामान्य स्थिति बहाल होने के साथ ही एक-दूसरे पर भरोसा होना भी जरूरी है। उसके लिए दोनों पक्षों के व्यवहार में पारदर्शिता होनी चाहिए। कुल मिलाकर, रिश्तों की बेहतरी के लिए अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है, लेकिन दोनों पक्ष अगर इसकी इच्छा जता रहे हैं तो यह भी अच्छी बात है। जहां चाह होती है, वहां राह निकलना बहुत मुश्किल नहीं होता। विदेश मंत्री जयशंकर के बयान के कुछ घंटों के भीतर ही ब्रिक्स देशों की बैठक के लिए रूस गए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। यी विदेश मंत्री भी हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने अपने चीनी समकक्ष के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की जल्द पुनर्बहाली से जुड़े पहलुओं पर बातचीत की। ये सारे प्रयास इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं कि चीन व भारत के रिश्ते बेहतर हों। पर सरकार को कुछ ठोस करना चाहिए केवल कागजों पर बात नहीं होनी चाहिए। चीन एक महत्वपूण व मजबूत पड़ोसी है। उसके साथ रिश्ते सुदृढ़ होने चाहिए क्योंकि ये संबंध एशिया के लिए अत्यावश्यक हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सरकार के पास गुंजाइश है तेल की कीमतें घटाने की

सुषमा रामचंद्रन

तकरीबन एक साल पहले वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने भविष्यवाणी की थी कि 2024 के अंत तक दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल छू जाएंगी। इस पूर्वानुमान ने भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर दिया था, जो कि तेल के बड़े आयातक हैं। परंतु उनकी किस्मत अच्छी रही कि यह पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। बल्कि, पिछले एक साल के दौरान तेल की कीमतों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है और दाम का मानक 'ब्रेंट क्रूड' वर्तमान में 70-72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है। यह बदलाव गंभीर भू-राजनीतिक संकटमयी माहौल के बावजूद है, जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्त्राइल-हमास संघर्ष खत्म होने के आसार बहुत कम हैं। तेल बाजारों के कामकाज ने स्पष्ट रूप से इस तथ्य को दर्शा दिया है कि किसी भी सूरत में आपूर्ति बाधित होने की संभावना नहीं है, युद्धरत होने के बावजूद रूस दुनिया में कच्चे तेल का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बना हुआ है।

पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद रूसी तेल का प्रवाह अभी भी प्रमुख खपतकार क्षेत्रों की ओर ही बना हुआ है। पोलैंड, फिनलैंड, हंगरी और यहां तक कि जर्मनी सहित अनेक यूरोपीय देश रूस से तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदना जारी रखे हुए हैं, हालांकि मात्रा में काफी कमी आई है। इसके अलावा, यूरोपीय संघ भारत की तेल रिफाइनरियों में रूसी तेल से तैयार उत्पाद जैसे कि गैसोलीन और डीजल की खरीद बड़ी मात्रा में कर रहा है। जहां तक पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की बात है, यमन स्थित हूती विद्रोहियों के उत्पात के कारण लाल सागर और स्वेज नहर के माध्यम से होने वाला अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बाधित हुआ है। व्यापारिक जहाजों के लिए इन समुद्री रास्तों से आना-जाना खतरनाक बना हुआ है, इनमें कई अब केप ऑफ गुड होप से होकर, लंबे और महंगे मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन फिर भी इससे उक्त क्षेत्र से होने वाली कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति प्रभावित नहीं हुई -समुद्री और थलीय- दोनों मार्गों से उपभोक्ताओं तक पहुंचना जारी है।

इसी प्रकार कई अन्य कारक भी रहे, जिनके चलते पिछले वर्ष तेल की कीमतों में मंदी का रुख रहा। सबसे महत्वपूर्ण में एक है वैश्विक मांग में कमी, विशेषकर दुनिया के सबसे बड़े

तेल आयातक चीन से। उसकी आर्थिक दिक्कतें जारी हैं क्योंकि विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन लगातार चौथे महीने सिकुड़ा रहा। पिछले एक साल के दौरान उम्मीद जगी थी कि अर्थव्यवस्था में सुधार होगा और रियल एस्टेट क्षेत्र मंदी से बाहर निकलेगा। परंतु ऐसा परिदृश्य अब दूर की कौड़ी लगता है और बहुराष्ट्रीय कंपनियां धीरे-धीरे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पीछे हट रही हैं, ऐसे देश से जिसका उत्पादन शेष दुनिया की खपत क्षमता से अधिक है। चीन ने वर्ष 2023 में 5.2 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर दर्ज की थी, लेकिन विश्व बैंक का अनुमान है कि 2024 में केवल 4.8 फीसदी ही छू पाएगी। धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था का परिणाम है तेल आयात में कटौती। तेल कीमतों में नर्मी लाने वाला एक और कारक है अमेरिका के उत्पादन में वृद्धि, जो दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक बनकर उभरा है। वास्तव में, अनुमान है कि तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) से इतर तेल उत्पादक मुल्क अपने उत्पादन में वृद्धि कर इस क्षेत्र में अग्रणी बने रहेंगे। इसके चलते, पिछले साल से ओपेक प्लस द्वारा संयुक्त उत्पादन में 2.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन स्वैच्छिक कटौती के असर की काफी हद तक भरपाई हो गई। पिछले सप्ताह इस कटौती को वापस लेने की उम्मीद थी, लेकिन बाजारों में लगातार मंदी के चलते, ओपेक कार्टेल ने कुछ और समय इसे जारी रखने का फैसला लिया। परंतु यह खबर भी कीमत वृद्धि करने में विफल रही, थोड़ी सी बढ़ी जरूर लेकिन फिर गिर गईं, यह बाजार में अतिरिक्त उपलब्धता दर्शाता है। तेल बाजारों में मंदी भारत के लिए एक वरदान के रूप में आई है, जो अपना 85 प्रतिशत से अधिक ईंधन विदेश से खरीदता है। फरवरी 2022 में यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद से, कीमतों में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। लेकिन भारत रियायती दरों पर रूसी कच्चा तेल प्राप्त कर पाया, जो उस साल रही ऊंची कीमतों के संकट से निबटने में मददगार रहा।

हालिया गिरावट के रुझान का अर्थ है कि कच्चे तेल का जो मूल्य भारत ने अप्रैल में 89 डॉलर प्रति बैरल चुकाया, वह गिरकर वर्तमान में 72 डॉलर हो गया है। इस गिरावट का महत्व इस मोटे अनुमान से मापा जा सकता है कि तेल मूल्य में प्रति 10 डॉलर वृद्धि होने से चालू खाते के घाटे में 0.5 प्रतिशत का इजाफा हो जाता है। इस उत्साहजनक परिदृश्य में, सरकार के पास आम आदमी को कुछ राहत देने की खातिर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में कटौती करने की गुंजाइश बन जाती है।

गुरुग्राम के जलग्राम बनने की वजह

पंकज चतुर्वेदी

बीते तीन साल में सौ करोड़ खर्च हो गए, लेकिन हर बारिश के साथ दुनिया में मशहूर औद्योगिक शहर गुरुग्राम की जलभराव की समस्या गहराती जा रही है। इस साल तो गुरुग्राम एक दर्जन बार शहर में पानी भरने के कारण बेहाल हो चुका है। मामला केवल गुरुग्राम का नहीं है; यहां काम करने के लिए आने-जाने वाले पूरे दिल्ली एनसीआर के लोग प्रभावित होते हैं। चौड़ी सड़कों, गगनचुंबी इमारतों और दमकती रोशनी के बावजूद, थोड़ी-सी बारिश के बाद पानी का ठहराव और जाम लाचारी की स्थिति पैदा कर देते हैं। हर बार कई घंटे के जाम के कारण गुरुग्राम को कई सौ करोड़ का घाटा उठाना पड़ता है। सबसे बड़ी बात, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का इस शहर के प्रति विश्वास डगमगाता जा रहा है, जो कि चिंता का विषय है। बीते एक दशक में गुरुग्राम में ढेर सारे फ्लाई ओवर, अंडर पास, चौड़ी सड़कें बनीं, लेकिन इंद्र की थोड़ी-सी कृपा इंजीनियरों के तकनीक कौशल पर कालिख पोत देता है।

इसके ठीक विपरीत बूंद-बूंद पानी को तरसने वाले गुरुग्राम वासी बरसात की आशंका से ही कांप जाते हैं। इस साल जल भराव के कारण कोई ग्यारह बार गुरुग्राम में कई-कई किलोमीटर लंबा जाम लग चुका है। महकमे इसके निदान के लिए और अधिक निर्माण करने की सिफारिश करते हैं लेकिन इस समस्या के मूल में प्रकृति से छेड़छाड़ पर बात करने से बचते हैं। अचानक तेज और अप्रत्याशित बरसात हो जाना या फिर नाले-सीवर साफ न होना जैसे कारण तो देश के हर शहर को बरसात में लज्जित कर ही रहे हैं, लेकिन गुरुग्राम के डूबने का असल कारण तो यहां के कई नदी-नालों को गुम कर वहां कंक्रीट का जंगल खड़ा करना है। असल में इस जल जमाव व उससे उपजे जाम का कारण गुरुग्राम की बेशकीमती जमीन और उसको हड़पने के लोभ में कब्जाई गई वे जमीनें हैं जो असल में अधिकतम बरसात में भी पानी को अपने में समा कर नजफगढ़ झील तक ले जाने का प्राकृतिक रास्ता हुआ करती थीं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में यमुना नदी के बाद सबसे बड़े जल क्षेत्र को हमने कुछ ही दशकों में सुखा दिया और उस पर सीमेंट के जंगल रोप दिए, फिर जो लोग बसे उनके घर व रोजगार के ठिकानों से निकला गंदा पानी भी इसमें ही जुड़ता गया। अब सरकार खुद कहती है कि वह झील या 'वाटर बॉडी' थोड़े ही है, वह तो महज बारिश आने पर जमा पानी का गड्ढा है। यह दर्दनाक कथा है कभी दिल्ली ही नहीं देश की सबसे बड़ी झील, जल-क्षेत्र और वेट लैंड की। नजफगढ़ झील को कब्जा कर सिकोड़ते हुए दिल्ली का विस्तार करने वाले यह भूल चुके थे कि अब जो उनकी बस्ती में पानी भर रहा है, असल में वह झील का अपना भंडार है न कि उनकी रजिस्ट्री करवाई जमीन। डेढ़ दशक पहले तक एक नदी हुआ करती थी- साहबी या साबी नदी। जयपुर जिले के सेवर की पहाड़ियों से निकल कर कोटकासिमत होते हुए धारूहेड़ा के रास्ते। बहरोड़, तिजारा, पटौदी, झज्जर के रास्ते नजफगढ़ झील तक आती थी यह नदी। इस नदी का प्रवाह नए गुरुग्राम में घाटा, ग्वालपहाड़ी, बहरामपुर, मेरावास, नगली होते हुए बादशाहपुर तक था। कई जगह नदी का पाठ एक एकड़ तक था। आश्चर्य है कि इस नदी का गुरुग्राम की सीमा में कोई राजस्व रिकार्ड ही नहीं रहा।

अभी 10 साल पहले हरियाणा विकास प्राधिकरण यानी हूडा ने नदी के जल ग्रहण क्षेत्र को आर जोन में घोषित कर दिया। इससे पहले यहां नदी के 'रीवर बेड' की जमीन कुछ किसानों के नाम लिखी थी। आर जोन में आते ही पचास लाख प्रति एकड़ की जमीन बिल्डरों की निगाह में आई और इसके दाम पंद्रह करोड़ एकड़ हो गये। जहां नदी थी, वहां सेक्टर 58 से लेकर सेक्टर 65 की कई कालोनियां व बहुमंजिला आवास तन गए। बरसात तो पहले भी होती थी और उसका पानी इस नदी के प्रवाह के साथ नजफगढ़ के विशाल जल-क्षेत्र में समा जाता था। थोड़ी-सी बरसात में ही गुरुग्राम के पानी-पानी होने और और फिर सालभर बेपानी रहने का असल कारण केवल साबी नदी का लुप्त होना मात्र नहीं है, जमीन के लालच में कई महत्वपूर्ण नाले भी समाज गटक गया। डीएलएफ फेज तीन से सिकंदरपुर, सुचाराली से पालम विहार और बादशाहपुर से खाडसा होते हुए नजफगढ़ वाला नाला या साबी नदी का हिस्सा भी गुम हो गया। अब इन तीनों की ही जल-ग्रहण क्षमता कई हजार घन मीटर जल की थी। दिल्ली-गुरुग्राम अरावली पर्वतमाला के तले है और अभी सौ साल पहले तक इस पर्वतमाला पर गिरने वाली हर एक बूंद 'डाबर' में जमा होती थी। 'डाबर' यानी उत्तरी-पश्चिम दिल्ली का वह निचला इलाका जो कि पहाड़ों से घिरा था। इसमें कई अन्य झीलों व नदियों का पानी आकर भी जुड़ता था।

इस झील का विस्तार एक हजार वर्ग किलोमीटर हुआ करता था जो आज गुरुग्राम के सेक्टर 107, 108 से लेकर दिल्ली के नए हवाई अड्डे के पास पप्पनकलां तक था। इसमें कई प्राकृतिक नहरें व सरिता थीं, जो दिल्ली की जमीन, आबोहवा और गले को तर रखती थीं। आज दिल्ली के भूजल के प्रदूषण का सबसे बड़ा कारक बना नजफगढ़ नाला कभी जयपुर के जीतगढ़ से निकलकर अलवर, कोटपुतली, रेवाड़ी व रोहतक होते हुए नजफगढ़ झील व वहां से दिल्ली में यमुना से मिलने वाली साबी, साहिबी या रोहिणी नदी हुआ करती थी। इस नदी के जरिये नजफगढ़ झील का अतिरिक्त पानी यमुना में मिल जाया करता था। सन् 1912 के आसपास दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ आई व अंग्रेजी हुकूमत ने नजफगढ़ नाले को गहराकर उससे पानी निकासी का जुगाड़ किया था। उस दौर में इसे नाला नहीं बल्कि 'नजफगढ़ लेक एस्केप' कहा करते थे। इस संकट से जूझने के लिए प्रकृति की तरफ लौटना और कुदरत के प्रति अपनी गलतियों को सुधारना ही निदान होगा, न कि और निर्माण कर देना।

चाय के साथ खिलाएं खस्ता कचौड़ी

गर्मागर्म चाय के साथ चटपटा नाश्ता करने की चाह बढ़ जाती है। गर्मियों में आप जितना तला भुना खाने से बचते हैं, बारिश के मौसम में उतना ही पकौड़ों की तलब होने लगती है। हालांकि हर दिन पकोड़े खाना मुमकिन नहीं, ऐसे में मानसून के लिए कुछ अलग अलग व्यंजनों को खाना चाजिए। बारिश का मौसम में आप थोड़ी सी दाल भिगोकर रख सकते हैं। मूंग दाल से खस्ता कचौरी बनाना काफी आसान है। जो गेंहू के आटे की बाजार जैसी खस्ता कचौड़ी बनाई जा सकती है।

सामग्री

एक कप आटा, दो चम्मच सूजी , दो चम्मच बेसन, एक कप भीगी हुई मूंग की दाल, लाल मिर्च पाउडर, जीरा, सौंफ, साबुत धनिया, हींग, नमक, हरी धनिया, अमचूर, तेल।

विधि

भीगी हुई मूंग की दाल को मिक्सी में दरदरा पीस लें। अब मैदा या गेहूं के आटे में सूजी मिलाकर एक चम्मच तेल और स्वादानुसार नमक डालकर आटा गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को कपड़े से ढककर रख दें। कड़ाही में तेल गर्म करके उसमें जीरा, सौंफ, धनिया पाउडर, कुटा हुआ साबुत धनिया, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी और बेसन को मिलाकर धीमी आंच पर भून लें। अब इस मिश्रण में दरदरी पिसी दाल डालकर अच्छे से मिक्स करते हुए पका लें। फिर अमचूर और स्वादानुसार नमक मिला पकाएं। जब दाल अलग अलग होने लगे तो समझ जाएं कि मसाला पक गया है। इस स्टफिंग को ठंडा करें समान अनुपात में गोल बॉल्स तैयार कर लें। गूंथे हुए आटे में थोड़ा सा तेल लगाकर एक बार अच्छी तरह से गूंद लें। फिर छोटी लोइयां बना लें। लोई को कटोरी जैसा आकार देकर उसमें मसाले की तैयार बॉल रखें और पोटली की तरह बनाते हुए बंद कर दें। अब इसे छोटी पूरी के आकार में बेल लें, बेलते समय थोड़ा मोटा ही रखें। एक कड़ाही में तेल डालकर गर्म करे और खौलते तेल में कचौड़ियां डालकर धीमी आंच पर डीप फाई करें। सुनहरी होने तक सभी कचौरियों को तलें, गर्मागर्म खस्ता कचौरियां तैयार हैं।

घर पर ऐसे बनाएं मसाला खिचड़ी

बच्चे और बूढ़े सभी करेंगे पसंद

खिचड़ी एक ऐसा पकवान है, जिसे देखकर बड़ों से लेकर बच्चे तक मुंह बिचकाते हैं। दिमाग में एक बात बैठी हुई है कि खिचड़ी तो सिर्फ बीमार लोग खाते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। खिचड़ी एक ऐसा पकवान है जो मुगल काल से लोगों को पसंद है। मुगल बादशाह अकबर और उनके बेटे जहांगीर को खिचड़ी बेहद पसंद थी। घर पर आसानी से मसाला खिचड़ी बनाकर आप अपने परिवार वालों को खिला सकते हैं। इस खिचड़ी को पापड़, अचार और दही के साथ परोसें, जिससे इसका स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाए।

सामग्री

1 कप चावल, 1/2 कप मूंग दाल (धुली),1 बड़ा प्याज, 1 बड़ा टमाटर, 1 छोटा आलू, 1/2 कप मटर, 2-3 हरी मिर्च, 1 इंच अदरक, 4-5 लहसुन की कलियां, ताजा हरा धनिया (सजावट के लिए), 2 टेबलस्पून घी या तेल, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून हल्दी पाउडर,1 टीस्पून धनिया पाउडर,1 टीस्पून गरम मसाला, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून जीरा पाउडर, नमक स्वादानुसार। 4-5 कप पानी।

विधि

खिचड़ी बनाने के लिए सबसे पहले चावल और मूंग दाल को अच्छे से धोकर 15-20 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इसी बीच अब सभी सब्जियों को धोकर काट लें। अब प्रेशर कुकर में घी या तेल गर्म करें। उसमें जीरा डालें और जब वह चटकने लगे, तब कटी हुई हरी मिर्च, अदरक और लहसुन डालें। इन्हें कुछ सेकंड के लिए भूनें। इसके बाद प्याज डालें और सुनहरा भूरा होने तक भूनें। फिर टमाटर डालें और तब तक पकाएं जब तक वे नरम न हो जाएं। अब हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालें। मसालों को अच्छी तरह मिलाएं और 1-2 मिनट तक पकाएं। कटी हुई सब्जियां डालें और 2-3 मिनट तक भूनें। अब आखिर में भीगे हुए चावल और दाल को छानकर कुकर में डालें और अच्छे से मिलाएं। 4-5 कप पानी डालें और मिलाएं। अब इसमें स्वादानुसार नमक डालें और फिर प्रेशर कुकर का ढक्कन बंद करें। मध्यम आंच पर 3-4 सीटी लगाएं, बस खिचड़ी तैयार है।

हंसना मना है

एक लड़की पढ़ाई में कमजोर थी हमेशा दोस्तों के साथ मस्ती करती रहती थी, टीचर- तुम्हारे गणित में इतने कम नम्बर क्यों आये? लड़की- आई नहीं थी ना उस दिन, टीचर- क्या तुम पेपर वाले दिन आई ही नहीं थी? लड़की- नहीं, वो मेरी बगल वाली लड़की नहीं आई थी...

दोस्त- बीवी से झगड़ा बन्द हुआ क्या? पति- घुटनों पर चलकर आई थी मेरे पास, घुटनों पर। दोस्त- क्या बात कर रहा है? पति- और नहीं तो क्या? दोस्त-फिर क्या बोली? पति- बोली पलंग के नीचे से बाहर आ जाओ, अब नहीं मारुंगी।

टीटू- अपने पड़ोसी दोस्त मिंटू से बोला- आज सुबह तुम्हारे कुत्ते ने मेरी किताब फाड़ दी, शीटू- मैं उसे अभी सजा देता हूं, टीटू- रहने दे भाई, मैंने सजा दे दी है, शीटू- चौंकते हुए, कैसे? टीटू- मैंने उसके कटोरे का दूध पी लिया।

कहानी — यज्ञ की सच्ची पूर्ण आहुति

एक बार युधिष्ठिर ने विधि-विधान से महायज्ञ का आयोजन किया। दूर-दूर से राजा-महाराजा और विद्वान आए। यज्ञ पूरा होने के बाद दूध और घी से आहुति दी गई, लेकिन आकाश घंटियों की ध्वनि सुनाई नहीं पड़ी। जब तक घंटियां नहीं बजतीं, यज्ञ अपूर्ण माना जाता है। युधिष्ठिर को चिंता हुई। वह सोचने लगे कि आखिर यज्ञ में कौन सी कमी रह गई कि घंटियां सुनाई नहीं पड़ीं। उन्होंने भगवान कृष्ण से अपनी समस्या के बारे में बताया। श्री कृष्ण ने कहा, किसी गरीब, सच्चे और निश्छल हृदय वाले व्यक्ति को बुला कर उसे भोजन कराएं। जब उनकी आत्मा तृप्त होगी तब आकाश घंटियां अपने आप बज उठेंगी। श्री कृष्ण ने युधिष्ठिर को ऐसे एक व्यक्ति के बारे में बताया। तब धर्मराज स्वयं उसकी खोज में निकल पड़े। और उस निर्धन की कुटिया तक पहुंचे। युधिष्ठिर ने अपना परिचय देते हुए उससे प्रार्थना की - बाबा, आप हमारे यहां भोजन करने की कृपा करें। पहले तो बाबा ने मना कर दिया लेकिन काफी प्रार्थना करने पर वह तैयार हो गये। युधिष्ठिर उन्हें लेकर यज्ञ स्थल पर आए। द्रौपदी ने अपने हाथ से स्वादिष्ट खाना बनाकर उन्हें खिलाया। भोजन करने के बाद उस व्यक्ति ने ज्यों ही संतुष्ट होकर डकार ली, आकाश की घंटियां गूंज उठीं। यज्ञ की सफलता से सब प्रसन्न हुए। युधिष्ठिर ने कृष्ण से पूछा- भगवन, इस निर्धन व्यक्ति में ऐसी कौन सी विशेषता है कि उनके खाने के बाद ही यज्ञ सफल हो सका। श्री कृष्ण ने कहा - धर्मराज, इस व्यक्ति में कोई विशेषता नहीं है, यह गरीब है। दरअसल आपने पहले जिन्हें भोजन कराया वे सब तृप्त थे। जो व्यक्ति पहले से तृप्त हैं, उन्हें भोजन कराना कोई विशेष उपलब्धि नहीं है। जो लोग अतृप्त हैं, जिन्हें सचमुच भोजन की जरूरत है, उन्हें खिलाने से उनकी आत्मा को जो संतोष मिलता है, वही सबसे बड़ा यज्ञ है। वही सच्ची आहुति है। आप ने जब एक अतृप्त व्यक्ति को भोजन कराया तभी देवता प्रसन्न हुए और सफलता की सूचक घंटियां बज गईं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

वृषभ

शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। मेहमानों का आगमन होगा। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। कार्य के विस्तार की योजना बनेगी।

कर्क

सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा रहेगा। चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेगे।

सिंह

सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। दुष्जन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी।

तुला

व्यवसाय ठीक चलेगा। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा।

वृश्चिक

धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख, संतोष बढ़ेगा। उपहार मिलने के योग हैं। अधिक व्यय न करें।

धनु

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी।

मकर

आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे। विपरीत परिस्थितियों का सफलता से सामना कर सकेंगे। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं। विद्वानों के साथ रहने का अवसर मिलेगा।

मीन

अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होगा। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं।

लाखों कमाने में भी हांफ रही करीना की 'द बकिंघम मर्डर्स'

करीना कपूर खान की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म से काफी उम्मीदें थी लेकिन इसकी शुरुआत बेहद ठंडी रही। हालांकि वीकेंड पर फिल्म की कमाई में थोड़ी तेजी भी देखी गई लेकिन अब वीकडेड में ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लुढ़क चुकी है और मुश्किल से कमाई कर रही है। चलिए यहां जानते हैं द बकिंघम मर्डर्स ने रिलीज के पांचवें दिन। यानी पहले मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है?

क्राइम थ्रिलर द बकिंघम मर्डर्स मां करीन कपूर खान ने लीड रोल प्ले किया है। फिल्म में उनकी जबरदस्त एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है लेकिन द बकिंघम मर्डर्स बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनकर परफॉर्म कर रही है। इस फिल्म की ओपनिंग बेहद खराब रही थी इसके बाद भी ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर पाई। दरअसल फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच नहीं पा रही है। वहीं पिछले पांच हफ्तों से बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही स्त्री-2 भी द बकिंघम मर्डर्स को टिकने नहीं दे रही है। जिसके चलते रिलीज के पांच दिन बाद भी करीना की ये फिल्म 10 करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाई है।

वहीं फिल्म की कमाई की बात करें तो इसने पहले दिन 1.15 करोड़, दूसरे दिन 1.95 करोड़, तीसरे दिन 2.15 करोड़ और चौथे दिन 80 लाख की कमाई की। वहीं अब फिल्म की रिलीज के 5वें दिन यानी पहले मंगलव की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक द बकिंघम मर्डर्स ने रिलीज के 5वें दिन यानी पहले मंगलवार को 75 लाख की कमाई की है। इसके बाद द बकिंघम मर्डर्स का 5 दिनों का कुल कलेक्शन अब 6.80 करोड़ रुपये हो गया है। द बकिंघम मर्डर्स को दर्शको से बेहद ठंडा रिस्पॉन्स मिला है। ये मर्डर मिस्ट्री फिल्म सिनेमाघरों में दर्शको के लिए तरसती हुई नजर आ रही है।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

तीन साल से नहीं मिला काम मैं सिनेमा के दूसरे फार्म्स के बारे में सोच रही हूं : अहाना

आखिरी बार साल 2022 में इंडिया लॉकडाउन में नजर आईं अहाना कुमरा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि कैसे वे काम के लिए तरस गईं और उनका घर चलाना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा- मुझे अब शो ऑफर नहीं मिल रहे हैं मुझे तीन साल से ज्यादा वक्त से कोई ऑफर नहीं मिला है। अहाना कुमरा ने कहा- कोई भी मुझे कुछ भी ऑफर नहीं कर रहा है। मैं ओटीटी पर बहुत काम करती थी। लेकिन इतने सालों से कुछ नहीं किया और मुझे इससे बिल्कुल कोई दिक्कत नहीं है। लोग साल में 1-2 शो करते हैं, मैं तो वो भी नहीं कर सकती, मुझे तो पता ही नहीं क्या चल रहा है। वे (मेकर्स) किसी स्टार या किसी ऐसे शख्स के पास जाना चाहते हैं जो कम फीस लेगा। अहाना आगे बताती हैं, मैं सिनेमा के दूसरे फॉर्म्स के बारे में सोच रही हूं क्योंकि मुझे अपनी रसोई चलानी है। मैं जिंदगी में कुछ और करने की कोशिश कर रही हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैंने लंबे समय से अच्छे एक्टर का टैग अपने साथ रखा है, अब मेरा काम पूरा हो गया है। अगर आप एक अच्छे एक्टर हैं, तो कोई भी आपको काम नहीं देता है और ये अच्छे एक्टर का टैग लेकर मुझे कुछ करना नहीं है अगर काम ही नहीं मिलता। मुझे अपने बिल भरने होते हैं। एक्ट्रेस ने आग खुलासा किया कि वे अब अपना प्रोडक्शन हाउस चला रही हैं। उन्होंने कहा- मुझे अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस मिल गया है। मैं अब उन चीजों पर फोकस करने जा रही हूं क्योंकि मुझे लगता है कि यही मेरे लिए आगे बढ़ने का रास्ता है। अगर मुझे कुछ ऑफर किया जाता है तो मैं उसे करूंगी, लेकिन मैं अपनी शर्तों पर काम करती हूं।

फिल्म जिस्म 2 के लव मेकिंग सीन में शर्मा गई थीं सनी लियोनी

सनी लियोनी ने 2012 में फिल्म जिस्म 2 से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में वो काफी बोल्ड रोल में थीं। फिल्म रणदीप हुड्डा संग उनके रोमांटिक सीन थे। लेकिन क्या आपको पता है कि इन सीन को करते हुए सनी अनकम्फर्टेबल नहीं थी।

महेश भट्ट ने कहा था, मुझे पता था कि सनी शर्मिली इंसान है। क्योंकि वो अडल्ट स्टार है इसका मतलब ये नहीं कि उसने शर्माना छोड़ दिया है। रणदीप हुड्डा संग लवमेकिंग सीन के दौरान सनी को बहुत मुश्किल हुई, वो कम्फर्टेबल फील नहीं कर रही थी। जो नजर आता है वो होता नहीं है। हर चमकने वाली चीज सोना नहीं होती। हर सैनिक बहादुर नहीं होता। हर अडल्ट स्टार बोल्ड नहीं होता। कभी कभी रियलिटी अलग होती है।

बता दें कि जब सनी बिग बॉस 5 के अंदर थीं तभी उन्हें महेश भट्ट ने फिल्म जिस्म 2 के लिए साइन कर लिया था। महेश भट्ट घर के अंदर गए थे और उन्होंने सनी लियोनी को साइन कर लिया था। ये फिल्म 2003 में आई बिपाशा बसु की फिल्म जिस्म की सीक्वल है। जिस्म में बिपाशा ने स्टीमी सीन्स दिए थे, जो काफी चर्चा में रहे थे। एक्ट्रेस सनी लियोनी ने 2012 में फिल्म जिस्म-2 से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में वो काफी बोल्ड रोल में थीं। फिल्म रणदीप हुड्डा संग उनके रोमांटिक सीन थे। लेकिन क्या आपको पता है कि इन सीन को करते हुए सनी अनकम्फर्टेबल नहीं थी। महेश भट्ट ने कहा था, मुझे पता था कि सनी शर्मिली इंसान है। क्योंकि वो अडल्ट स्टार है इसका मतलब ये नहीं कि उसने शर्माना छोड़ दिया है।

पानी में डालते ही जादू दिखाती है ये लकड़ी, ग्रैविटी को देती है मात

जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें हम रोजाना देखते हैं। बचपन से ही हमें इसके पीछे की वजहें और तर्क बताए जाते हैं। इससे इतर अगर कोई चीज हमें ऐसी दिखती हैं, जिसके पीछे कोई तर्क काम नहीं करता तो हम उसे जादू या चमत्कार समझ लेते हैं। कुछ ऐसा ही एक वीडियो में दिख रहा है, जो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर इस वक्त एक ऐसा ही चमत्कारी वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में लोगों को एक जादुई लकड़ी दिखाई दे रही है। इसकी खासियत ये है कि इसे पानी में डालने पर ये धारा के विपरीत ऊपर की ओर भागती है। लकड़ी पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बहाव कितना तेज़ है, वो तो पानी को चीरकर निकल जाती है। अक्सर जिन चीजों का हमारे पास कोई जवाब नहीं होता है, हम उसे दैवीय चमत्कार या फिर तिलिस्म मान बैठते हैं। सांप की तरह मुड़ी हुई दिखने वाली इस लकड़ी को जब किसी बर्तन में रखकर नल खोला जाता है, तो ये नल की ओर भागती है। वहीं पानी में डालते ही ये धारा के विपरीत भागने लगती है। मानो लकड़ी पर गुरुत्वाकर्षण का कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा हो। आखिर ये जादू हो कैसे रहा है। वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर nipul_pawar__v नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। वीडियो को अब तक 5 करोड़ से भी ज्यादा लोगों ने देख लिया है, जबकि 6 लाख से भी ज्यादा लोग इसे पसंद कर चुके हैं। इस पर दिलचस्प कमेंट भी आ रहे हैं। कुछ यूज़र्स इसके ग्रैविटी से विपरीत जाने पर हैरानी जता रहे हैं, तो कुछ यूज़र्स ने इसे जादुई बताया। वैसे आपको बता दें कि ये गरुड़ संजीवनी कही जाने वाली लकड़ी है, जो अपनी खास बनावट की वजह से धारा के विपरीत बहती है। वैज्ञानिकों की मानें तो इसमें लकड़ी का घुमावदार स्प्रिंग जैसा आकार बड़ी भूमिका निभाता है। लकड़ी अंदर से खोखली होती है और घुमावदार आकार की वजह से इसके बीच से पानी निकलता जाता है और लकड़ी घूमती हुई आगे निकल जाती है।

अजब-गजब | इस बिल्डिंग की कहानी सुन दहल उठेगा दिल

इस बिल्डिंग से रात को रोने की आती है आवाज 26 सालों से है इस पर अंजान शक्ति का कब्जा

सपनों का शहर मुंबई, जहां कभी रात नहीं होती। यह शहर जो कभी थमता नहीं है। इसी शहर में एक ऐसी जगह है, जिसे ट्रेन में बैठे लोग दूर से देख कर ही डर जाते हैं। वहां जाने की बात तो दूर, इस जगह की कहानी सुनकर ही लोगों की सांसे थम जाती हैं। मुंबई में ऐसी कई इमारतें है, जो खतरनाक जगहों की सूची में आती हैं। ऐसी ही एक बिल्डिंग का नाम हीरानंदानी टावर है। यह दाहिसार और मीरा रोड दो इलाकों के बीच पड़ता है। इस बिल्डिंग की कहानियां सुन कई बच्चे-बड़े हो गए, लेकिन आज भी इस बिल्डिंग को दूर से ही देख कर डरते हैं।

यह बिल्डिंग आज से 26 साल पहले बनना शुरू हुई थी। बनने का काम खत्म हो ही गया था, लेकिन उसी रात वहां काम करने वाले दो मजदूर, जो पति-पत्नी थे, पांचवे माले से गिरने के कारण उनकी मौत हो गई। उसके बाद वहां और भी मौतें हुई। आस-पास के लोगों का कहना है कि रात में किसी की रोने की और चिल्लाने की आवाज आती है। बिल्डिंग के बनने का काम रुके हुए आज 26 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। अब यह बिल्डिंग एक खंडहर और मुंबई के टॉप हॉरर जगहों में से एक के अलावा और कुछ नहीं है। दाहिसर में रहने वाले अविनाश सरोज बताते हैं कि इस भूतिया बिल्डिंग की कहानी बहुत सालों से सुनते आ रहे हैं। दाहीसर से लेकर विरार तक रहने वाला हर व्यक्ति इस बिल्डिंग की भूतिया कहानी जानता है। लोग दिन में भी आईडी बिल्डिंग के पास नहीं जाते, रात में जाना तो बहुत दूर की बात है। यहां का बच्चा-बच्चा इस बिल्डिंग के बारे में जानता है और इस बिल्डिंग से दूर रहता है। इस प्रॉपर्टी के मालिक ने वॉचमैन रखे हैं, लेकिन वो भी शाम होने के बाद आज तक कभी भी बिल्डिंग के अंदर कदम रखने की हिम्मत नहीं कर पाया है।

राहुल गांधी पर अभद्र टिप्पणी मामले में पक्ष-विपक्ष में वार-पलटवार जारी

कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ खोला मोर्चा

» राहुल से माफी मांगे भाजपा नेता : प्रतिभा सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी पर अभद्र टिप्पणी मामले में बीजेपी नेताओं के खिलाफ एफआईआर होने के बाद भी कांग्रेस व भाजपा में वार पलटवार जारी है। कांग्रेस अध्यक्ष के द्वारा पीएम को पत्र लिखने के बाद भाजपा अध्यक्ष ने खरगे को पत्र लिखकर कहा कि उनके द्वारा लिखे गए पत्र में तथ्य नहीं है वह वास्वितकता से दूर हैं। उधर कांग्रेस के कई अन्य नेताओं ने भाजपा पर हमला जारी रखा। वहीं कांग्रेस ने पूरे देश में भाजपा के खिलाफ धराना प्रदर्शन भी किया।

गौरतलब हो कि नड्डा द्वारा पत्र दो दिन पहले मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र के बाद लिखा गया है। पीएम मोदी को लिखे पत्र में मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ की गई टिप्पणी पर अपनी चिंता और निराशा व्यक्त की थी। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने नेता प्रतिपक्ष पर भाजपा नेताओं की बयानबाजी पर एतराज जताया है। उन्होंने इसे बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि भाजपा को इन बयानों के लिए देश और राहुल से माफी मांगनी चाहिए। राहुल नेता प्रतिपक्ष हैं और उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या हिंसक बयानबाजी देश में लोकतंत्र के लिए एक बड़ा खतरा है। देश ऐसे लोगों को कभी माफ नही करेगा जो सांप्रदायिक सौहार्द को कमजोर करने की कोशिश करते हैं।

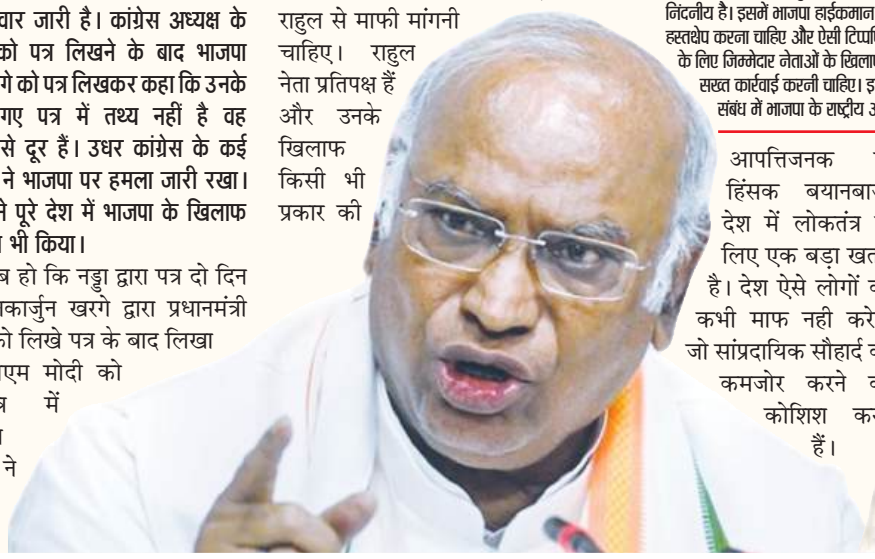

कुर्सी बचाने के लिए राहुल के खिलाफ बोल रहे रवनीत : सुक्खू

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा और शिवसेना नेताओं की ओर से इस्तेमाल की जा रही अपमानजनक और अनुचित भाषा शैली निंदनीय है। इसमें भाजपा हाईकमान को हस्तक्षेप करना चाहिए और ऐसी टिप्पणियों के लिए जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को हस्तक्षेप करना चाहिए। सीएम सुक्खू ने राज्य सचिवालय में कहा कि केंद्र सरकार में राज्य मंत्री बिट्टू जब कांग्रेस पार्टी से सांसद थे, तो वह राहुल गांधी के प्रशंसक रहे, लेकिन सत्ता में आने के लिए उन्होंने नैतिक मूल्यों से समझौता कर लिया है। व्यक्तिगत टिप्पणियां करके राजनीतिक रोटियां नहीं सेंकी जा सकती हैं। जनता जिस नेता को चुनकर भेजती है, उसकी गरिमा होती है। राहुल गांधी के खिलाफ अनाप-शनाप बयानबाजी की जा रही है। छुटभैये नेताओं से भाजपा इस तरह की भाषा बुलवा रही है। सीएम ने कहा कि रवनीत बिट्टू केवल अपने निजी स्वार्थ, भाजपा में अपनी छवि व स्थान बनाए रखने और राज्यसभा सांसद बने रहने के लिए ऐसे हथकंडे अपना रहे हैं। राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी ने इस देश के लिए बलिदान दिया। देश के लोगों को भारत की अखंडता के लिए किए गए गांधी परिवार का बलिदान याद है। राहुल गांधी ने भी देशहित में भारत जोड़ो यात्रा की। भाजपा उनकी पृष्ठभूमि भी नहीं देख रही है।

जगत प्रकाश नड्डा को हस्तक्षेप करना

खरगे के पत्र की बातें वास्तविकता से दूर : नड्डा

कांग्रेस अध्यक्ष के द्वारा पीएम को पत्र लिखने के बाद भाजपा अध्यक्ष ने खरगे को पत्र लिखकर कहा कि उनके द्वारा लिखे गए पत्र में तथ्य नहीं है वह वास्वितकता से दूर हैं। नड्डा ने कहा कि आपने अपने असफल उत्पाद को चमकाने के प्रयास में पीएम मोदी को एक पत्र लिखा है, जिसे जनता द्वारा बार-बार खारिज कर दिया गया है, और राजनीतिक मजबूरी के कारण इसे बाजार में लाया गया है। जेपी नड्डा ने मल्लिकार्जुन खरगे को जवाबी पत्र में लिखा, उस पत्र को पढ़ने के बाद मुझे लगा कि आपके द्वारा कही गई बातें वास्तविकता से बहुत दूर हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि पत्र में आप राहुल गांधी समेत अपने नेताओं की करतूतों को या तो भूल गए हैं या जानबूझकर उन्हें नजरअंदाज कर दिया है। ऐसे में मुझे लगा कि उन बातों को विस्तार से आपके संज्ञान में लाना जरूरी है। पत्र में कहा गया है, यह दुखद है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी अब अपने प्रसिद्ध राजकुमार के दबाव में कॉपी और पेस्ट पार्टी बन गई।

केंद्र कश्मीर की भावी सरकार की शक्तियों से क्यों कर रहा समझौता : जयराम रमेश

» कांग्रेस ने पूर्ण राज्य के दर्जे को लेकर भाजपा पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे के विषय को लेकर बृहस्पतिवार को एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि यदि सरकार इस मुद्दे पर ईमानदार है, तो वह भावी राज्य सरकार की शक्तियों से समझौता क्यों कर रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जुलाई 2024 में, गृह मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत नियमों में संशोधन किया, जिसमें पुलिस और अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय लेने की शक्तियां उप राज्यपाल को दी गईं।

रमेश ने यह 'एक्स' पर पोस्ट किया, नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री आज श्रीनगर और कटरा में हैं। उन्हें इन सवालों के जवाब देने चाहिए। केंद्र सरकार जम्मू कश्मीर की राजनीतिक कार्यपालिका की शक्तियों का उल्लंघन करने का प्रयास क्यों कर रही है?'' उन्होंने आरोप लगाया कि जम्मू कश्मीर की राजनीतिक कार्यपालिका की शक्तियों में कटौती करके गृह मंत्रालय ने भविष्य की जम्मू कश्मीर सरकार के कामकाज के साथ गंभीर समझौता किया है।

मैं पाकिस्तानी नहीं भारतीय हूं : फारूक

» 370 पर पाकिस्तान के भड़काऊ बयान पर भड़के अब्दुल्ला

» बोले- 8 अक्टूबर तक प्रतीक्षा करें, सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में चुनाव के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने अनुच्छेद 370 और 35 ए को लेकर कांग्रेस व नेशन कॉन्फ्रेंस का समर्थन किया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयान के बाद जेकेएनसी के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। फारुक अब्दुल्ला ने कहा मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान क्या कहता है। मैं पाकिस्तानी नहीं हूं, मैं एक भारतीय नागरिक हूं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों पर 8 अक्टूबर तक प्रतीक्षा करें, सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। जियो न्यूज से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान और कांग्रेस-एनसी जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए की बहाली के बारे में एक ही दृष्टिकोण साझा करते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली मोदी सरकार ने इसे निरस्त कर दिया था। उन्होंने जवाब दिया कि बिल्कुल। हम भी यही मांग करते हैं। आसिफ ने कहा कि अगर कांग्रेस-एनसी गठबंधन जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आता है तो अनुच्छेद 370 वापस आ सकता है। उन्होंने कहा कि फिलहाल, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का वहां बहुत महत्व है। घाटी की आबादी इस मुद्दे पर काफी प्रेरित है और मेरा मानना ??है कि कॉन्फ्रेंस (नेशनल कॉन्फ्रेंस) के सत्ता में आने की संभावना है। उन्होंने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया है कि जम्मू-कश्मीर का दर्जा बहाल होना चाहिए।

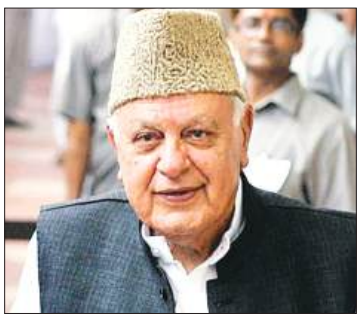

कांग्रेस और एनसी के रिश्ते को क्या कहा जाए : शहजाद पूनावाला

बीजेपी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस और एनसी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि पाकिस्तान के साथ कांग्रेस पार्टी और एनसी के इस रिश्ते को क्या कहा जाए? बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि हम देख सकते हैं कि कैसे कांग्रेस पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस और इंडिया अलायंस लगातार पाकिस्तान के साथ हाथ मिलाने की कोशिश कर रहे हैं।

नहीं चला भारत का शीर्षक्रम, सस्ते में सिमटा

» बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट : 34 रन पर तीन विकेट गंवाए

» यशस्वी और पंत ने 100 के पार पहुंचाया स्कोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत हो गई। पहला मुकाबला गुरुवार से चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला जा रहा है। पहले दिन भारत के दिग्गज खिलाड़ी सस्ते में सिमट कर पवेलियन पहंच गए। चौथे विकेट के लिए खेल रहे ऋषभ पंत व यशस्वी जायसवाल ने स्कोर 100 के पार पहुंचाकर टीम की वापसी कराई।

अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिहाज से यह सीरीज बेहद महत्वपूर्ण है। पहले दिन लंच तक भारत ने तीन विकेट गंवाकर 88 रन बना लिए हैं। फिलहाल यशस्वी जायसवाल 37 रन और ऋषभ पंत 33 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच अब तक 83 गेंद में 54 रन की साझेदारी हो चुकी है। एक वक्त भारत ने 34 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। भारत को 14 के स्कोर पर पहला झटका लगा। छठे ओवर में हसन महमूद की गेंद रोहित के बल्ले का किनारा लेकर स्लिप में कप्तान शांतो के हाथों में चली गई। रोहित छह रन बना सके।

पहला झटका 14 के स्कोर पर

रोहित-विराट के छह-छह रन गिल का नहीं खुला खाता

रोहित शर्मा और विराट कोहली छह-छह रन बनाकर आउट हुए। वहीं, शुभमन गिल खाता भी नहीं खोल सके थे। तीनों को हसन महमूद ने पवेलियन भेजा। अब भारत को यशस्वी और पंत से काफी उम्मीदें हैं। भारत ने 19 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 75 रन बना लिए हैं। फिलहाल यशस्वी जायसवाल 36 रन और ऋषभ पंत 21 रन बनाकर क्रीज पर हैं। दोनों के बीच 40 रन की साझेदारी हो चुकी है। तीन विकेट 34 रन पर गंवाने के बाद इन दोनों ने पारी संभाली है। लंच तक ये दोनों खेलते रहने की कोशिश करेंगे।

वन नेशन-वन इलेक्शन पर बढ़ी सियासी टेंशन

» सपा ने भाजपा की मंशा पर उठाए सवाल, बसपा का समर्थन, राज ठाकरे बोले पहले निकाय चुनाव तो करवा लें

» अखिलेश यादव बोले- पहले अपने अध्यक्ष का चुनाव कराए भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । एनडीए सरकार की कैबिनेट द्वारा 'वन नेशन-वन इलेक्शन 'की मंजूरी के बाद से देश में सियासी टेंशन बढ़ गई। सत्ता पक्ष से जुड़े लोग तो इसका समर्थन कर रहे हैं जबकि विपक्ष पर सवाल उठा रहा है। यूपी की सबसे बड़ी पार्टी सपा के मुखिया ने इसको लेकर भाजपा पर तंज कसा है।

उन्होंने बीजेपी से कहा पहले अपने संगठन का चुनाव तो एक सा करवा लें। वहीं बसपा ने इसका समर्थन किया है। उधर कांग्रेस ने भी इसपर आपत्ति की महाराष्ट्र के नेता ठाकरे ने कहा कि पहे निकाय चुनाव तो एक साथ करवाया जाए।

बीजेपी सबसे पहले अपनी पार्टी के अंदर एक साथ चुनाव करवा के दिखाए : सपा प्रमुख

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 'वन नेशन-वन इलेक्शन' पर भाजपा पर जमकर तंज कसा है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इस फैसले पर प्रतिक्रिया जताते हुए उन्होंने लिखा कि जनता का सुझाव है कि भाजपा सबसे पहले अपनी पार्टी के अंदर जिले-नगर, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के चुनावों को एक साथ करके दिखाए फिर पूरे देश की बात करे। जनता के बहाने भाजपा पर हमला बोलते हुए अखिलेश ने लिखा कि जनता यह भी पूछ रही है कि आपके अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव अब तक क्यों नहीं हो पा रहा है, जबकि सुना तो ये है कि वहाँ तो 'वन पर्सन, वन ओपिनियन' ही चलती है। उन्होंने सवाल किया कि अगर 'वन नेशन, वन इलेक्शन' सिद्धांत के रूप में है तो स्पष्ट करें कि प्रधान से लेकर प्रधानमंत्री तक सभी गांव, टाउन, नगर निकायों के चुनाव भी साथ ही होंगे या फिर त्योहारों और मौसम के बहाने सरकार की हार-जीत की व्यवस्था बनाने के लिए अपनी सुविधानुसार होंगे। सोशल मीडिया पर उन्होंने सवालों की फेहरिस्त की आड़ में सपा प्रमुख ने पूछा कि भाजपा जब बीच में किसी राज्य की चुनी गई सरकार गिरवाएगी तो क्या पूरे देश के चुनाव फिर से होंगे। किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर क्या जनता की चुनी सरकार को वापस आने के लिए अगले आम चुनावों तक का इंतजार करना पड़ेगा या फिर पूरे देश में फिर से चुनाव होगा। उन्होंने सवाल किया कि इसको लागू करने के लिए जो संवैधानिक संशोधन करने होंगे, उनकी कोई समय सीमा निर्धारित की गयी है या ये भी महिला आरक्षण की तरह भविष्य के ठंडे बस्ते में डालने के लिए उछाला गया एक जुमला भर है? कहीं ये योजना चुनावों का निजीकरण करके परिणाम बदलने की तो नहीं है? ऐसी आशंका इसलिए जन्म ले रही है क्योंकि कल को सरकार ये कहेगी कि इतने बड़े स्तर पर चुनाव कराने के लिए उसके पास मानवीय व अन्य जरूरी संसाधन ही नहीं हैं।

देश व जनहित में होना चाहिए एक देश-एक चुनाव : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक देश-एक चुनाव को लेकर केंद्रीय कैबिनेट के फैसले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि देश में लोकसभा, विधानसभा व स्थानीय निकाय का चुनाव एकसाथ कराने वाले प्रस्ताव को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी पर उनका स्टैंड सकारात्मक है। इसका उद्देश्य देश व जनहित में होना चाहिए।

सरकार लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए बेहतरीन फैसले ले रही : जयंत

वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव की मंजूरी के बाद आरएलडी चीफ और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने विपक्षी दलों की बयानबाजी पर भी पलटवार किया है। 'एक राष्ट्र एक चुनाव' प्रस्ताव पर विपक्ष की बयानबाजी पर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, कैबिनेट ने एक फैसला लिया है, इसके बारे में काफी विचार-विमर्श किया गया था, हमें कोई बयान देने से पहले इसके बारे में सोचने की जरूरत है, सरकार लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए बेहतरीन फैसले ले रही है।

महाराष्ट्र में नगर निकायों के चुनाव लंबित : राज ठाकरे

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा है कि यदि केंद्र सरकार एक राष्ट्र, एक चुनाव कराने को लेकर इतनी चिंतित है तो उसे पहले महाराष्ट्र में नगर निकायों के चुनाव कराने चाहिए। महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित कई नगर निकायों के चुनाव लंबित पड़े हैं। राज ठाकरे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अगर चुनावों को इतना महत्व दिया ही जा रहा है तो पहले नगर निकाय के चुनाव कराएं। उन्होंने कहा कि कई नगर निकाय ऐसे हैं जो लगभग चार साल से प्रशासकों के अधीन संचालित हो रहे हैं। मनसे प्रमुख ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश को मंजूरी तो दे दी है, लेकिन उसे राज्यों के विचारों पर भी गौर करना चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल किया कि यदि कोई राज्य सरकार गिर जाए या विधानसभा भंग हो जाए या देश में मध्यावधि लोकसभा चुनाव हो जाएं तो इस स्थिति में क्या किया।

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे में देरी पर भड़के संजय राउत

» बोले- कांग्रेस नहीं दे पा रही समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में एक बार फिर से दटराव देखने को मिल रही है। दोनों पक्षों ने अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत शुरू कर दी है।

हालाँकि एमवीए में तनाव बढ़ता जा रहा है। बातचीत शुरू तो हो गई थी लेकिन वह बढ़ नहीं सकी है। यही कारण है कि शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने इसको लेकर निराशा जताया है। संजय राउत ने विधानसभा चुनावों के लिए सीट-बंटवारे की बातचीत में देरी के लिए महाराष्ट्र में कांग्रेस नेताओं को जिम्मेदार ठहराया है। राउत ने कहा कि विपक्षी गठबंधन जिसमें उद्धव ठाकरे की शिवसेना, कांग्रेस और

एनसीपी (एसपी) शामिल हैं, कुछ क्षेत्रीय खिलाड़ियों के साथ, सीट-बंटवारे से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए मुंबई में एक साथ बैठेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन दिनों बहुत व्यस्त है, लेकिन फिर भी हमने इसे (बातचीत) खत्म करने के लिए उन्हें बुलाया है। हमने कांग्रेस नेताओं को आमंत्रित किया है। वे इतने व्यस्त हैं कि हर दिन तारीख पे तारीख होती है। इसलिए हमने फैसला किया कि हम अगले तीन दिनों तक एक साथ बैठेंगे।

जदयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के आवास पर एनआईए का छापा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया। बिहार के गया शहर के एपी कॉलोनी स्थित जदयू के पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के आवास पर एनआईए की टीम की छापेमारी चल रही है। यह छापेमारी सुबह 5 बजे से चल रही है। इस दौरान एनआईए को कई दस्तावेज भी मिलने की खबर मिल रही है। वहीं घर के अंदर रहे लोगों से पूछताछ चल रही है।

पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी पति बिंदेश्वरी यादव तो नहीं रहे, लेकिन उस समय नक्सलियों को हथियार और कारतूस सप्लाई मामले में पकड़े गए थे। साथ ही उनके खिलाफ नक्सल गतिविधि और सांठगांठ का भी केस चला था। उनकी गाड़ी से गया में ही सैकड़ों की संख्या में कारतूस बरामद किए गए थे। उस वक्त उनके खिलाफ देश द्रोह के केस भी दर्ज किया गया था।

सलमान के पिता सलीम खान को लॉरेंस बिश्नोई ने दी धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। फिल्म अभिनेता सलमान खान के पिता सलीम खान को गुरुवार सुबह धमकी मिली है। सुबह की सैर पर निकले सलीम खान को एक बुर्का पहने महिला ने लॉरेंस बिश्नोई के नाम की धमकी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्टर के परिवार ने इस संबंध में बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक शिकायत भी दर्ज करायी है।

यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान के परिवार को लॉरेंस के नाम की धमकी मिली हो। इससे पहले सलमान खान के मुंबई स्थित घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर 14 अप्रैल को फायरिंग की गई थी। रिपोर्टेस के मुताबिक, 18 सितंबर को सलीम खान सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए बैंडस्टैंड एरिया में निकले थे। तभी एक स्कूटी सवार शख्स और बुर्का पहने महिला उनके पास पहुंचते हैं और

उनसे कहते हैं कि,सही से रहो, वरना लॉरेंस को भेजूं क्या? इससे पहले सलीम खान कुछ समझ पाते तब तक दोनों लोग फरार हो चुके थे। धमकी देने वाली महिला कौन थी, अभी तक यह पता नहीं चल सका है। इसी साल 14 अप्रैल को मुंबई के बांद्रा में गैलेक्सी अपार्टमेंट में सलमान खान के आवास के बाहर मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात लोगों ने चार राउंड फायरिंग की थी। जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया था। बाद में इस मामले की जांच करते हुए मुंबई पुलिस ने हमले के लिए लॉरेंस बिश्नोई गिरोह को जिम्मेदार ठहराया था और मामले से जुड़े छह लोगों को गिरफ्तार किया था।

महिलाओं को हर माह 2,100 रुपये देगी भाजपा

» हरियाणा के लिए बीजेपी ने जारी किया घोषणापत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने गुरुवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव का घोषणापत्र जारी कर दिया। घोषणापत्र पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जारी किया। 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 5 अक्टूबर को होगा जबकि वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को होगी। घोषणापत्र के अनुसार, लाडो लक्ष्मी योजना के तहत सभी महिलाओं को प्रति माह 2,100 रुपये दिए जाएंगे।

आईएमटी खरखौदा की तर्ज पर 10 औद्योगिक शहरों का निर्माण किया जाएगा और प्रति शहर 50,000 स्थानीय युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए उद्यमियों को विशेष

प्रोत्साहन दिया जाएगा।

इस दौरान नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने घोषणा पत्र को लोगों की नजरों में एक पतला दस्तावेज़ बना दिया। कांग्रेस ने और कांग्रेस की संस्कृति ने घोषणा पत्र की प्रासंगिकता को समाप्त कर दिया। उनके लिए ये दस्तावेज, महज एक औपचारिकता है व लोगों के साथ छलावा करना है। उन्होंने कहा कि आप याद कीजिए, 10 साल पहले हरियाणा की छवि क्या थी? पर्ची और खर्ची पर नौकरी लगने वाली थी और नौकरियों के चलते लोगों को सजाएं भी हुईं। उसी तरीके से हरियाणा जमीन घोटालों के लिए जाना जाता था। उनका (कांग्रेस) वास्तविक घोषणा पत्र तो ये था, जमीन का घोटाला करना, औने-पौने दामों पर जमीनों को खरीदना और उससे मुनाफा कमाना, किसानों की जमीनों को हड़पना। 10 साल पहले, हरियाणा की हर सरकार भ्रष्टाचारी कहलाती थी। नड्डा ने कहा कि हम तो हरियाणा की सेवा नॉन स्टॉप कर रहे हैं और इसे नॉन स्टॉप करने में आपको बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभानी है। हमने जो कहा था वो किया है, जो नहीं कहा था वो भी किया है और जो कहेंगे वो भी करेंगे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब 1,158 करोड़ रुपये किसानों को फसल का मुआवजा दिया गया, जबकि भाजपा सरकार के दौरान किसानों को 12,500 करोड़ रुपये फसल का मुआवजा दिया गया। कांग्रेस की सरकार की तुलना में भाजपा सरकार के दौरान किसानों को करीब 10 गुना ज्यादा फसल का मुआवजा दिया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।